ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा - 10

भारत और समकालीन विश्व - 2

अध्याय - 1

यूरोप में राष्ट्रवाद का उदय

भाग - 7

Pritesh Joshi

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

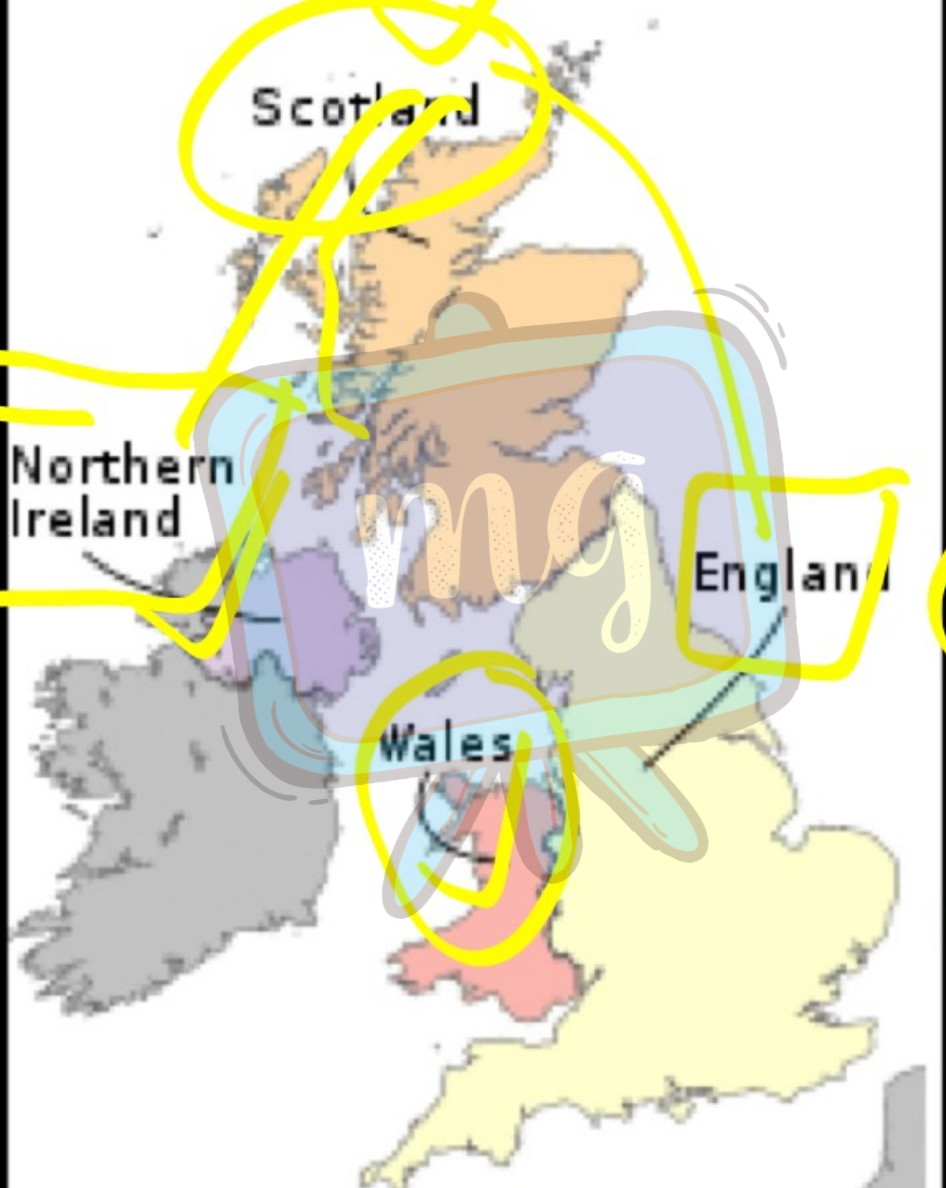

- ब्रिटेन में रा
- उथल पुथल
- यह एक लं
- 18वीं सदी
- ब्रितानी द्वीप
- वेल्स, स्को
- नजातीय थी
- इन सभी जा

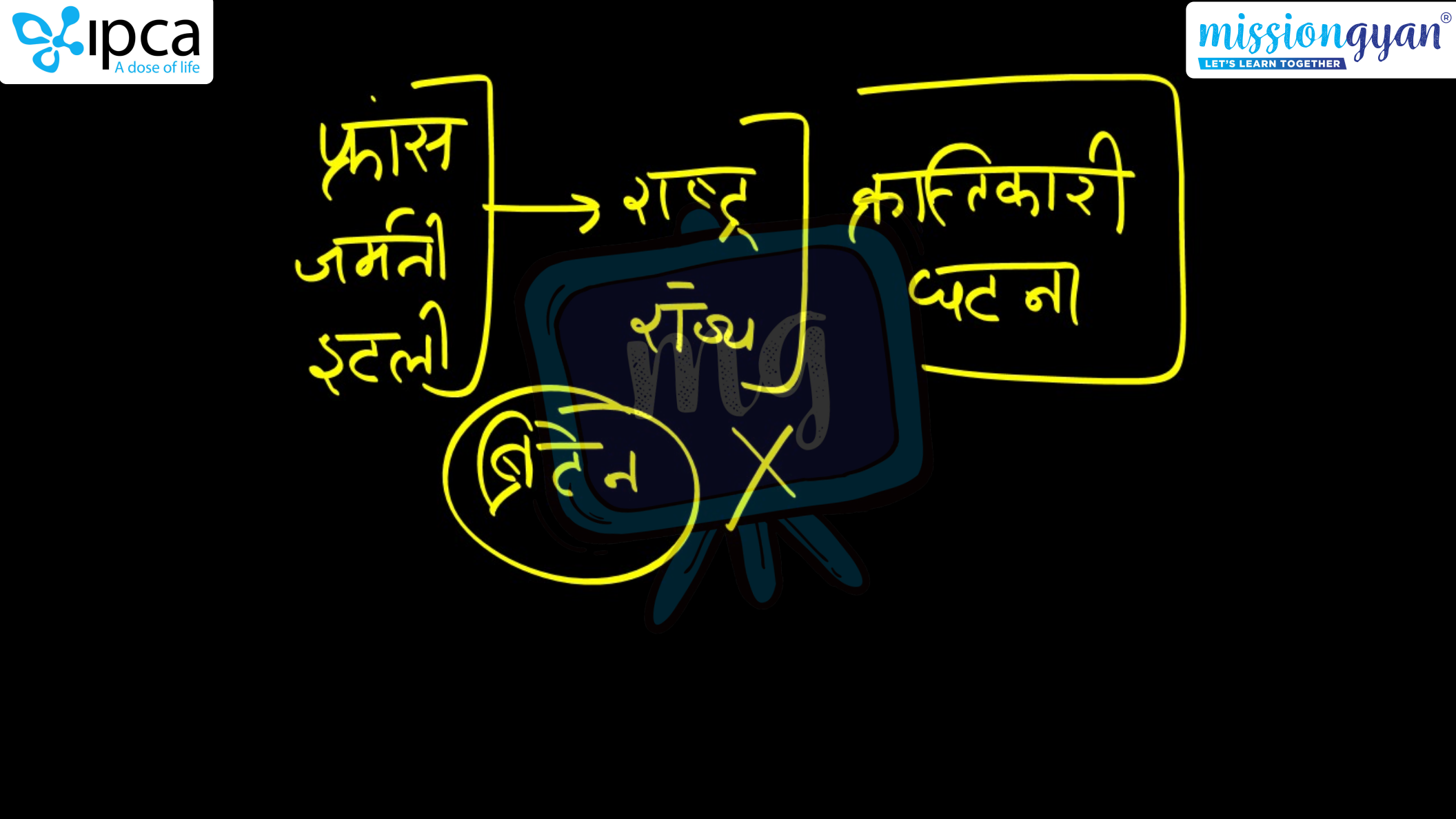
फ्रांस
जर्मनी
इटली
राष्ट्र
शून्य
ब्रिटेन
क्रांतिकारी
घटना

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



नृजातीय :- एक ऐसा साझा नस्ली, जनजातीय या सांस्कृतिक समूह जो किसी भी जनसंख्या में आसानी से पहचान लिया जा सके। इनमें कुछ ऐसी सामान्य विशेषताएं होती हैं जो उन्हें अन्य समाज से अलग करती है।

- जैसे-जैसे आंग्ल-राष्ट्र की धन-दौलत, अहमियत और सत्ता में वृद्धि हुई वह द्वीप समूह के अन्य राष्ट्रों पर अपना प्रभुत्व बढ़ाने में सफल हुआ।
- एक लंबे टकराव और संघर्ष के बाद आंग्ल संसद ने 1688 में राजतंत्र से ताकत छीन ली थी।
- इस संसद के माध्यम से एक राष्ट्र राज्य का निर्माण हुआ जिसके केन्द्र में इंग्लैण्ड था।

ipca
A dose of life

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

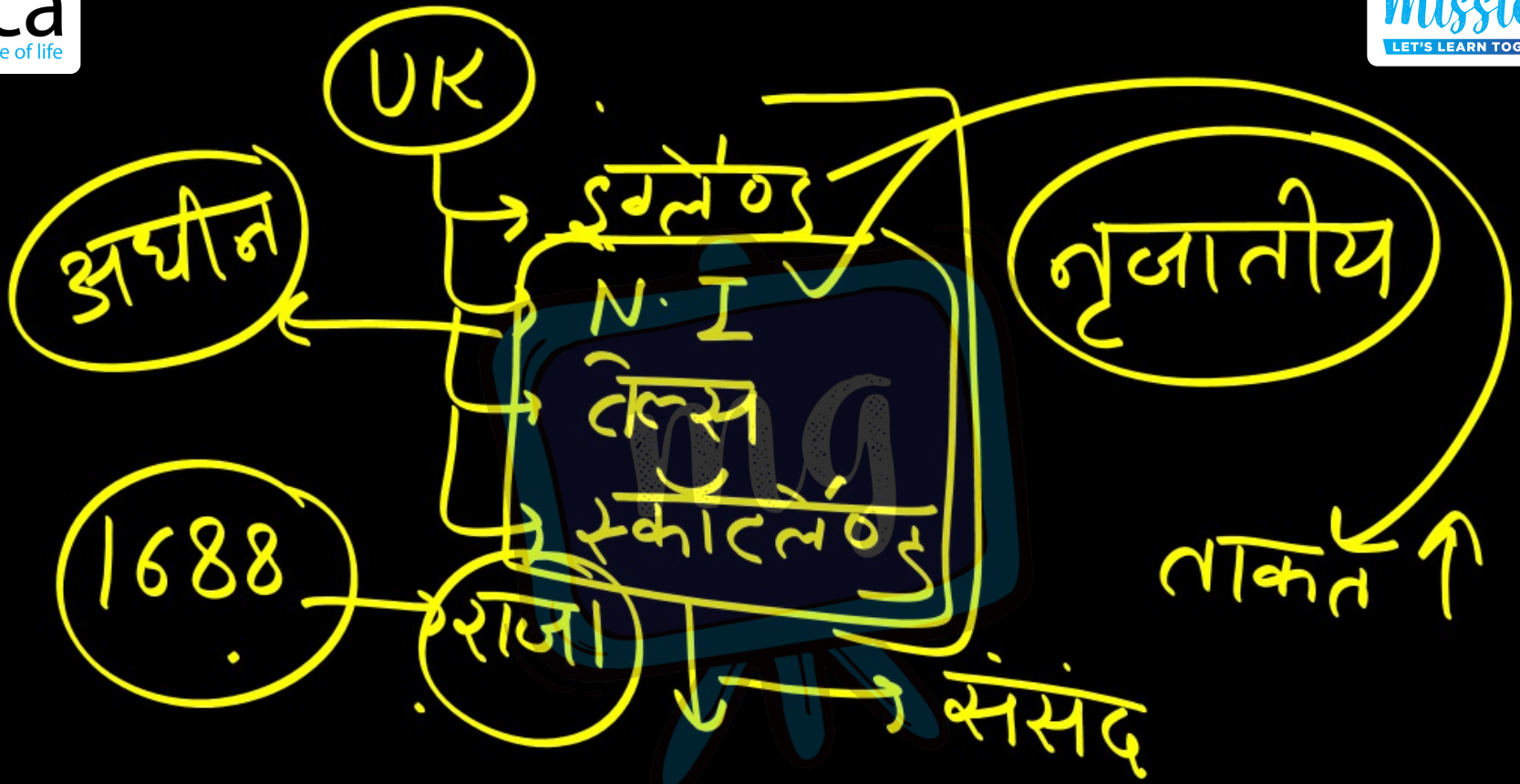

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

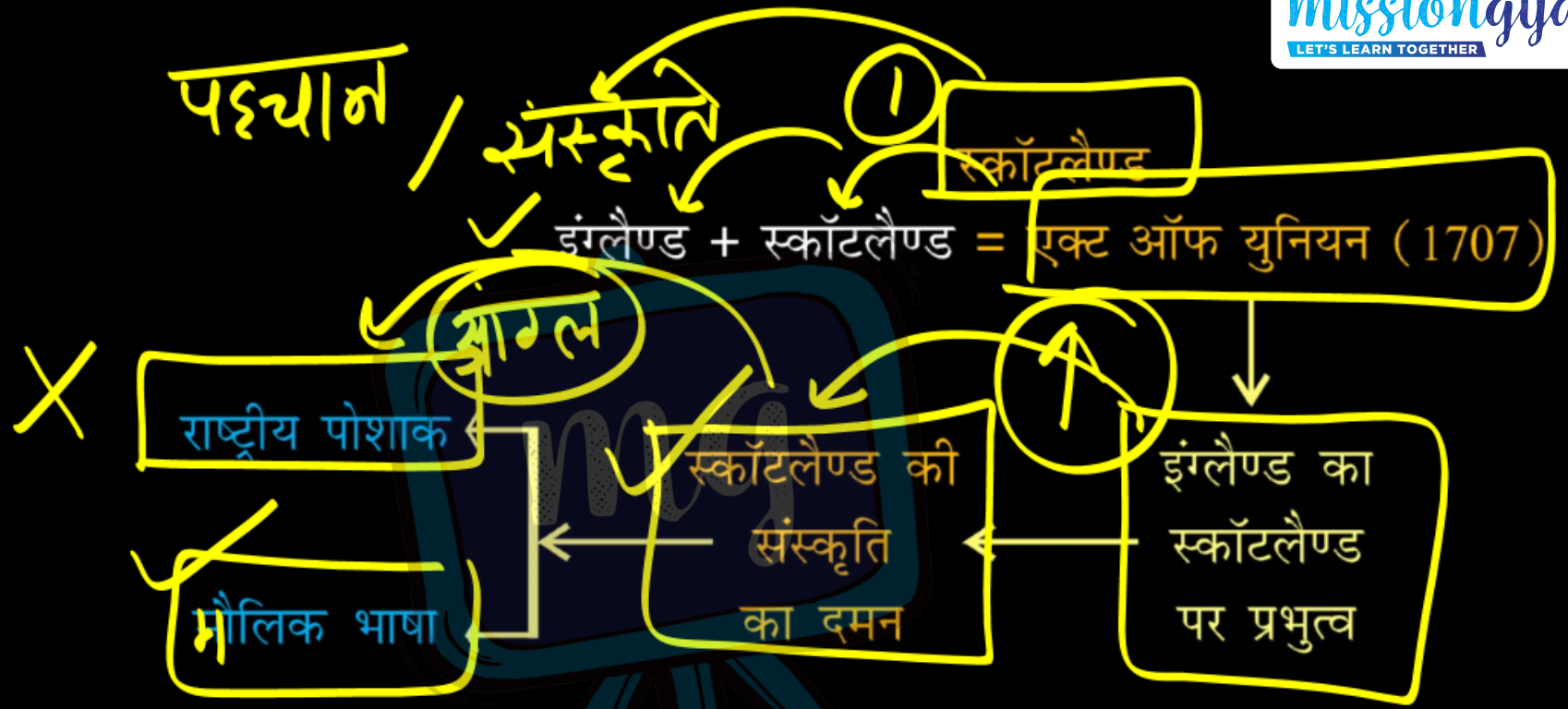

ipca
A dose of life

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

9. इंग्लैण्ड द्वारा स्कॉटिश संस्कृति का दमन किस प्रकार हुआ?



ipca
A dose of life

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

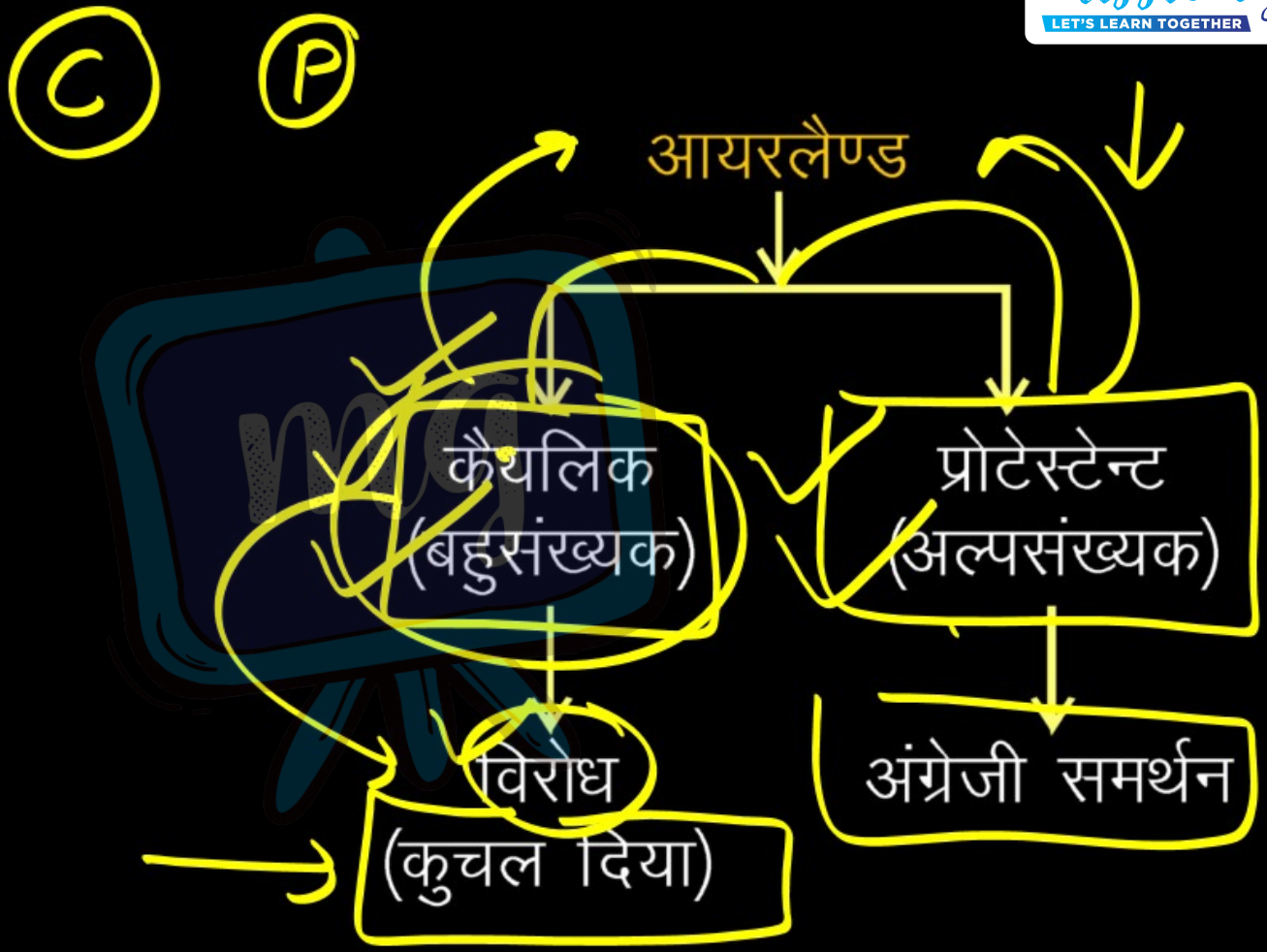

ipca
A dose of life

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- वोल्फ टोन और उसकी यनाइटेड आयरिशमैन (1798) की अगुवाई में असफल विद्रोह हुए।
- 1801 में आयरलैंण्ड को बलपूर्वक यूनाइटेड किंगडम में शामिल कर लिया गया।
- एक नये 'ब्रितानी राष्ट्र' का निर्माण किया गया जिस पर हावी आंग्ल संस्कृति का प्रचार प्रसार किया गया।
- नये ब्रिटेन के प्रतीक चिन्हों ब्रितानी झंडा (यूनियन जैक) और राष्ट्रीय गान (गॉड सेव अवर नोवल किंग) को खूब बढ़ावा दिया गया ओर दूसरे राष्ट्र इस संघ में मातहत सहयोगी के रूप में रह गये।

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

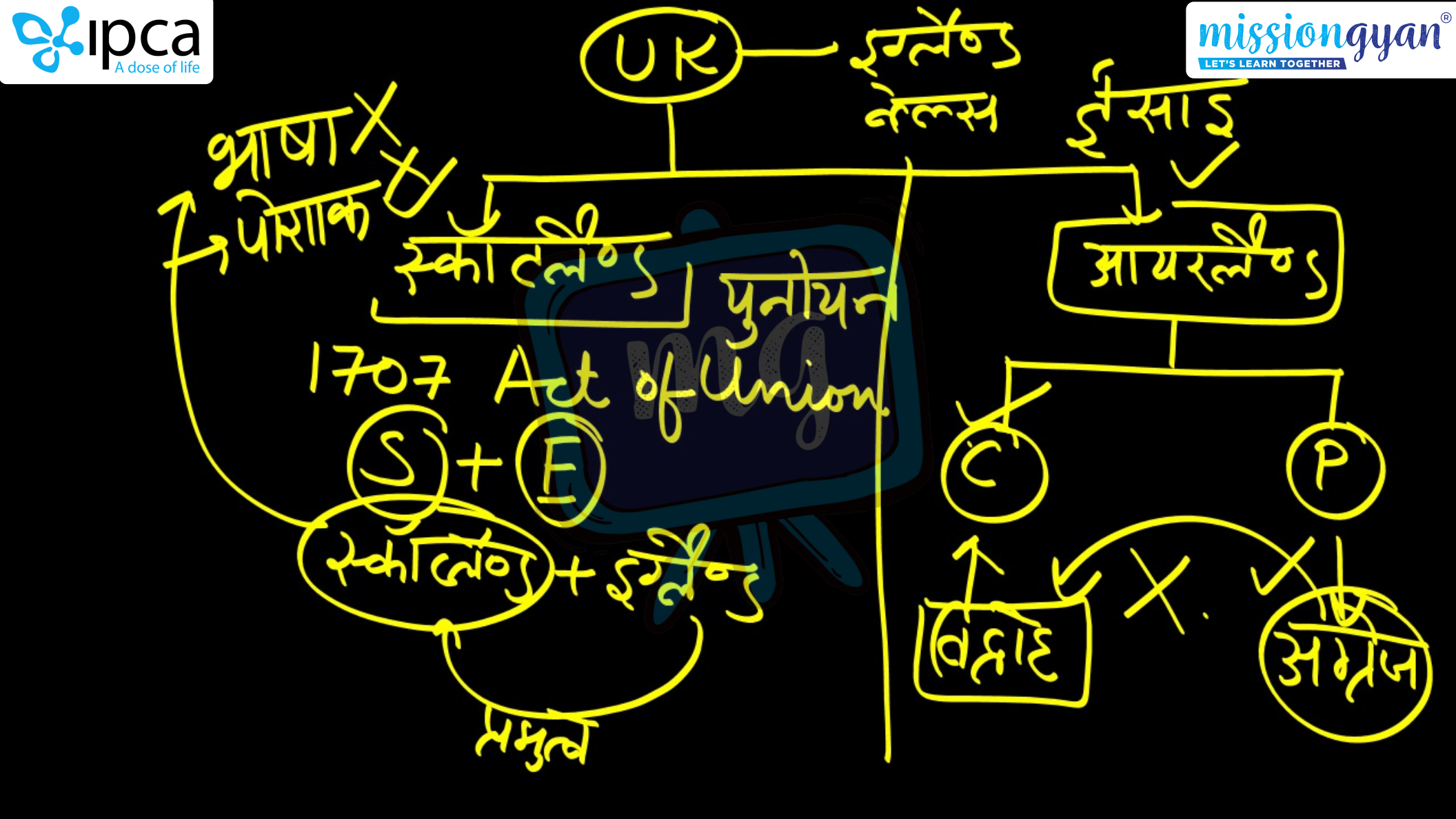

ipca
A dose of life

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

ग्रेट ब्रिटेन → आयरलैण्ड ✗

Q. स्कॉटलैण्ड और आयरलैण्ड पर किस प्रकार आंग्ल प्रभुत्व की स्थापना हुई?

ipca
A dose of life

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

राष्ट्र की दृश्य कल्पना

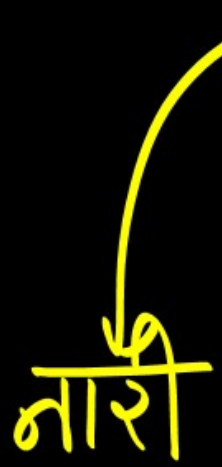

- किसी शासक को एक चित्र या मूर्ति के रूप में अभिव्यक्त करना आसान है लेकिन एक राष्ट्र को चेहरा कैसे दिया जा सकता है?
- 18वीं और 19वीं सदी में कलाकारों ने राष्ट्र का मानवीकरण करके इस प्रश्न को हल किया।
- उन्होंने देश को कुछ यूं चित्रित किया जैसे वह कोई व्यक्ति हो।
- उस समय राष्ट्रों को नारी वेश में प्रस्तुत किया जाता था।
- राष्ट्र को व्यक्ति का जामा पहनाते हुए जिस नारी को चुना गया वह असल जिंदगी में कोई खास महिला नहीं थी।

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

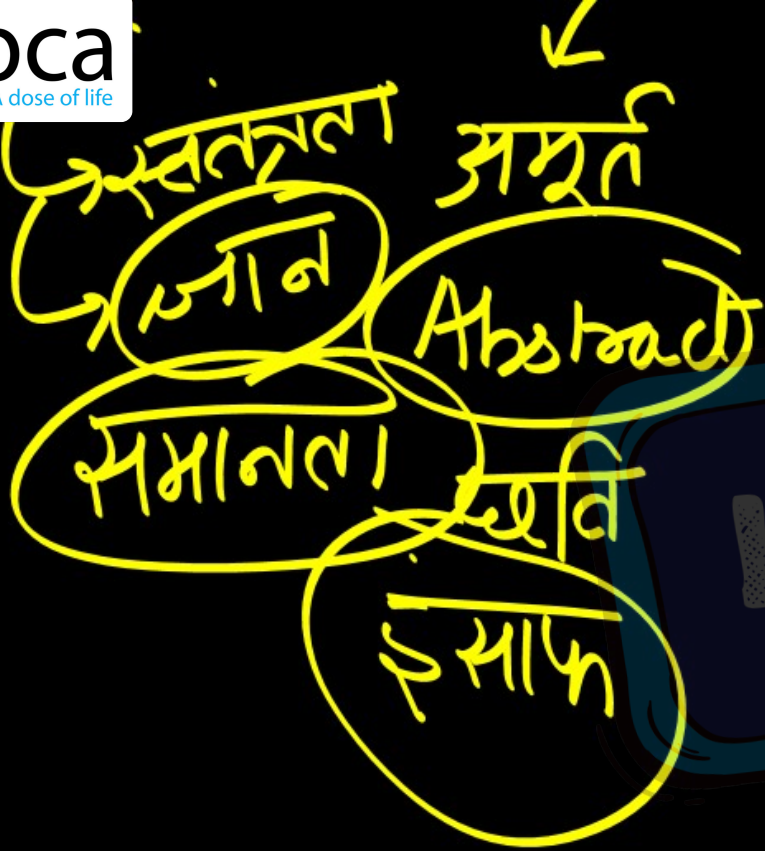

- यह तो राष्ट्र के अमूर्त विचार को ठो[illegible] करने का प्रयास था।
- यानि नारी की छवि राष्ट्र का रूपक बन गयी।
- फ्रांसीसी क्रांति के दौरान कलाकारों ने स्वतंत्रता, न्याय और गणतंत्र जैसे विचारों को व्यक्त करने के लिए नारी रूपक का प्रयोग किया।
- इन आदर्शों को विशेष वस्तुओं और प्रतीकों से व्यक्त किया गया था।

जैसे कि –

(1) स्वतंत्रता का प्रतीक – लाल टोपी या टूटी जंजीर

(2) इंसाफ को आमतौर पर एक ऐसी महिला के प्रतीकात्मक रूप में व्यक्त किया जाता था, जिसकी आंखों पर पट्टी बंधी हुई है और वह तराजू लिये हुए है।

ipca
A dose of life

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

रूपक :- जब किसी अमूर्त विचार (लालच, ईर्ष्या, स्वतंत्रता, मुक्ति) को किसी व्यक्ति या किसी चीज के जरिए इंगित किया जाता है।

ipca
A dose of life

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



नारी रूपक

फ्रांस :-

- नारी रूपकों का आविष्कार कलाकारों ने 19वीं सदी में किया।
- फ्रांस में उसे लोकप्रिय नाम मारीआन दिया गया।
- उसने जन राष्ट्र के विचार को रेखांकित किया।
- उसके चिन्ह भी स्वतंत्रता और गणतंत्र के थे - लालटोपी, तिरंगा और किलंगी।
- मॉरीआन की प्रतिमाऐं सार्वजनिक चौकों पर लगाई गई ताकि जनता को राष्ट्रीय प्रतीक की याद आती रहे और लोग उससे तादाम्य स्थापित कर सकें।
- मॉरीआन की छवि सिक्कों और डाक टिकटों पर अंकित की गयी।

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

फ्रांस

नारी रूपक



1850 का एक डाक टिकट
इसमें मारिऑन की तस्वीर बनायी गयी है।
जो फ्रांसीसी गणराज्य की प्रतिनिधित्व करती है।

ipca
A dose of life

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

जर्मनी :-

- इसी प्रकार से जर्मेनिया, जर्मन राष्ट्र का रूपक बन गयी।
- चाक्षुष अभिव्यक्तियों में जर्मेनिया बलूत वृक्ष के पत्तों का मुकुट पहनती है क्योंकि जर्मन बलूत वीरता का प्रतीक है।

वीरता



जर्मेनिया : चित्रकार फिलिप बेट, 1848

चित्रकार ने जर्मेनिया के इस चित्र को सूती झंडे पर बनाया। चूंकि इसे सेंट पाल चर्च की छत से लटकाना था जहां मार्च 1848 में फ्रेंकफर्ट संसद बुलाई गई।

ipca
A dose of life

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

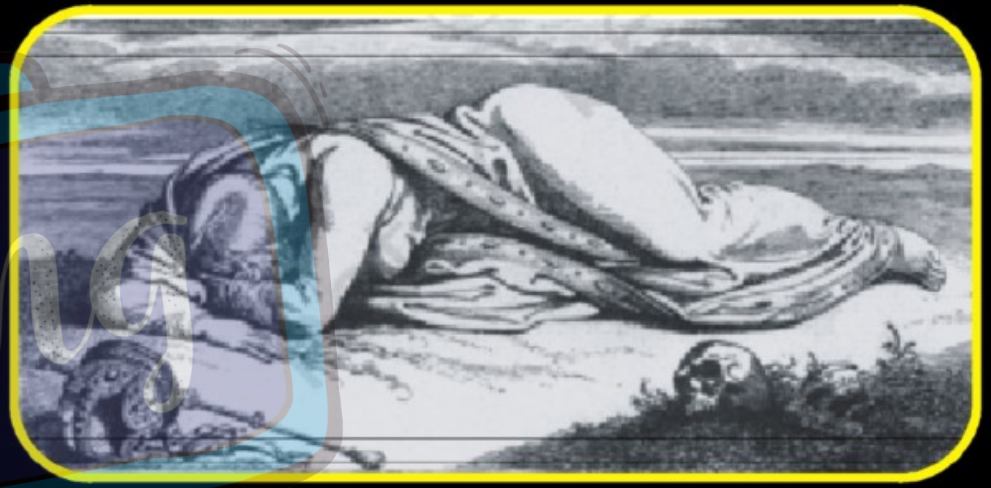

'द फॉलेन जर्मेनिया' (हताश जर्मेनिया)
जूलियस ह्यूबनर -1850

यह चित्र उस निराशा का है जब जर्मनी के एकीकृत साम्राज्य के ताज को 1848 में फ्रेडरिख विलियम - चतुर्थ ने अस्वीकार कर दिया था।

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



ipca
A dose of life

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

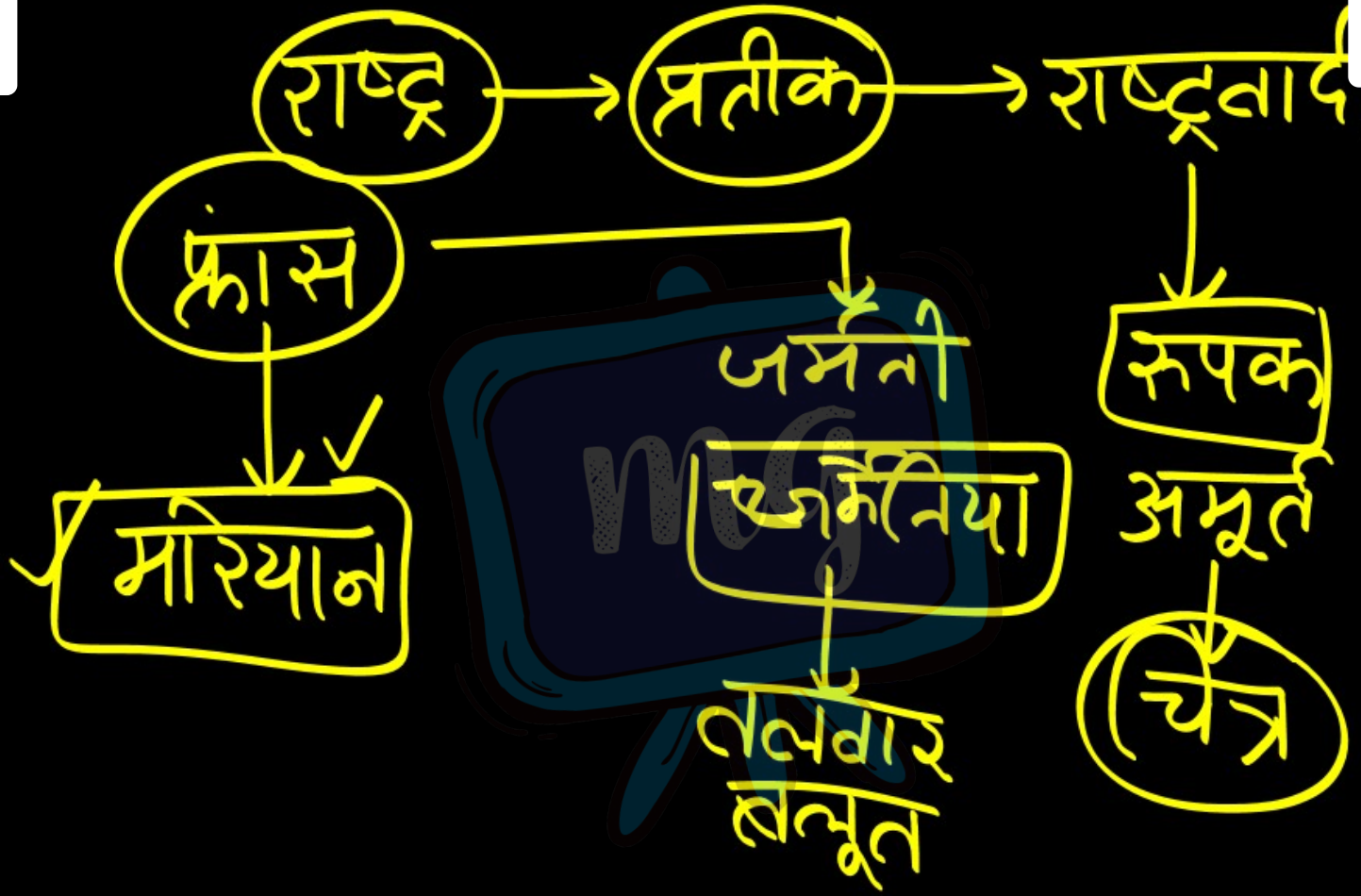

ipca
A dose of life

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q. राष्ट्रवादी भावनाओं को बढ़ाने के लिए किस प्रकार नारी रूपक को बढ़ाना दिया गया?



ipca
A dose of life

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

प्रतीकों के अर्थ :-

1. टूटी हुई बेड़ियां - आजादी मिलना
2. बाज-छाप कवच - जर्मन साम्राज्य की प्रतीक शक्ति
3. बलूत पत्तियों का मुकुट - बहादुरी /वीरता
4. तलवार - मुकाबले की तैयारी
5. तलवार पर लिपटी जैतून की डाली - शांति की चाह
6. काला लाल और सुनहरा तिरंगा - 1848 का राष्ट्रवादियों का झंडा। जिसे जर्मन ड्यूक्स ने प्रतिबंधित कर दिया था।
7. उगते सूर्य की किरणें - एक नये युग का सूत्रपात